http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 62
प्रयागराज सोमवार 18 नवम्बर 2024
पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

महाराष्ट्र में अमित शाह की सभी रैलियां हुई रद्द, अचानक नागपुर से दिल्ली हुए रवाना

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की आज विदर्भ क्षेत्र में होने वाली सभी रैलियां अचानक रद्द कर दी गई हैं। इसके बाद अमित शाह नागपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की आज विदर्भ क्षेत्र में होने वाली सभी रैलियां अचानक रद्द कर दी गई हैं। इसके बाद अमित शाह नागपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। अमित शाह की रैलियां क्यों रद्द हुईं? हालांकि, रैलियों की रद्द होने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन यह अचानक फैसला चुनाव प्रचार के दौरान महत्वपूर्ण बदलाव की ओर इशारा करता है। विदर्भ क्षेत्र में अमित शाह की रैलियों को लेकर पहले से कई राजनीतिक हलचलें थी, और इनकी रद्दी से प्रचार अभियान में कुछ हद तक बदलाव होने की संभावना है। स्मृति ईरानी और शिवराज सिंह चौहान का प्रचार आपको बता दें कि अमित शाह की रैलियों के रद्द होने के बाद, विदर्भ के गढ़चिरौली और वर्धा में अब पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी रैलियों को संबोधित करेंगी। वहीं, अन्य दो जगहों पर जहां अमित शाह की उपस्थिति नहीं होगी, वहां मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रैली करेंगे और चुनाव प्रचार में जोर लगाएंगे। शाह ने बाला साहेब की पुण्यतिथि पर किया याद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज सुबह सोशल मीडिया प्लेटफार्म ग (पूर्व में ट्विटर) पर बाला साहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा अपना संपूर्ण जीवन सनातन संस्कृति और राष्ट्रहित के लिए समर्पित करने वाले प्रखर राजनेता बाला साहेब ठाकरे जी की पुण्यतिथि पर उनका स्मरण कर उन्हें नमन करता हूं। देश में जब भी विचारधारा के प्रति समर्पण व सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्धता की बात आती है, बाला साहेब ठाकरे जी जरूर याद आते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी विचारधारा और राजनीतिक मूल्यों से समझौता न करने वाले बाला साहेब की सनातन संस्कृति व धर्म के प्रति कटिबद्धता प्रेरणीय है।

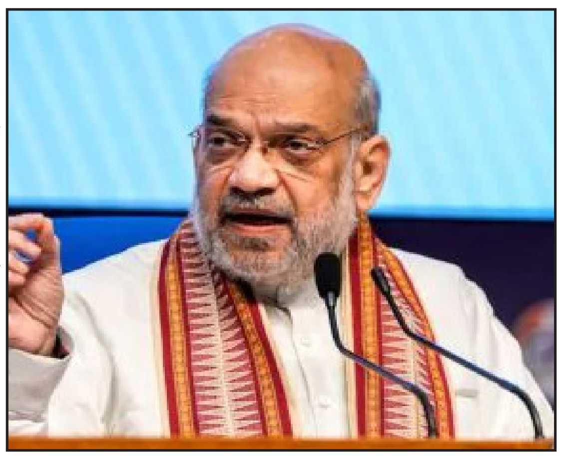

पीएम को नाइजीरिया का सर्वोच्च सम्मान

● क्वीन एलिजाबेथ के बाद यह सम्मान पाने वाले पहले शख्स, अब तक 15 देशों ने दिया सर्वोच्च सम्मान

● नाइजीरिया मोदी को 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' से सम्मानित किया

नयी दिल्ली/ अबूजा,(एजेंसी)। नाइजीरिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश के प्रतिष्ठित पुरस्कार श्द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजरश से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को बताया कि नाइजीरिया की यात्रा पर गए श्री मोदी को नाइजीरिया के इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह किसी देश द्वारा श्री मोदी को दिया जाने वाला 17वां ऐसा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। उल्लेखनीय है कि श्री मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में कल नाइजीरिया पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच दिवसीय विदेश यात्रा के पहले चरण में नाइजीरिया पहुंच गए हैं। श्री मोदी नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू के निमंत्रण पर पश्चिम अफ्रीकी देश की यात्रा कर रहे हैं। श्री मोदी के अबुजा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनका गर्म जोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति श्री टिनुबू का आभार जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक पोस्ट में कहा, श्धन्यवाद राष्ट्रपति टिनुबू। अब से थोड़ी देर पहले नाइजीरिया में उतरा हूं। हार्दिक स्वागत के लिए आभार जताता हूं। कामना करता हूं कि इस यात्रा से हमारे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और प्रगाढ़ होंगे।श इससे पहले श्री टिनुबू ने एक्स पर अपने पेज पर भारतीय प्रधानमंत्री के स्वागत में लिखा, श्मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनकी पहली नाइजीरिया यात्रा पर स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। यह 2007 के बाद भारत के किसी प्रधानमंत्री की मेरे प्यारे देश की पहली यात्रा है। हम अपनी द्विपक्षीय बातचीत में दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध के विस्तार और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के संवर्धन पर चर्चा करेंगे।श श्री मोदी के अबुजा पहुंचने पर लोगों ने उनका अभूतपूर्व तरीके से स्वागत किया। श्री मोदी के प्रति नाइजीरिया के लोगों के विश्वास और सम्मान के प्रतीक के रूप में उन्हें अबुजा शहर की कुंजी भेंट की गई। वहां रह रहे मराठी समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री का विशेष रूप से स्वागत किया और उन्हें मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। श्री मोदी के स्वागत में एक टोली ने उनके समक्ष लावणी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। उनके स्वागत में एक युवा पर्वतारोही भी उपस्थित है जिसने श्री मोदी की फोटो के साथ किलिमंजारो पर्वत चोटी की चढ़ाई की थी। इससे पहले श्री मोदी ने पालम वायुसैनिक अड्डे से विशेष विमान से रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में जी–20 शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं तथा श्एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यश के भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चा की आशा जताई।

डीआरडीओ ने लंबी दूरी की पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी की पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह परीक्षण शनिवार को देर रात ओडिशा के तट पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। इस हाइपरसोनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। मिसाइल को विभिन्न डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया था। उड़ान डेटा ने सफल टर्मिनल युद्धाभ्यास और उच्च सटीकता के साथ प्रभाव की पुष्टि की है। इस मिसाइल को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद की प्रयोगशालाओं के साथ–साथ विभिन्न अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। उड़ान–परीक्षण डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उड़ान–परीक्षण को ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसने भारत को महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के समूह में डाल दिया है। उन्होंने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल मिशन में सक्रिय योगदान देने वाली डीआरडीओ की टीम को बधाई दी।

'न मणिपुर एक है, न सेफ है'

● कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हिंसा को लेकर केंद्र पर भड़के

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए लिखा कि श्आपकी डबल इंजन की सरकार में न मणिपुर एक है और न ही सेफ है। मई 2023 से मणिपुर अकल्पनीय दर्द, बंटवारे और हिंसा से गुजर रहा है।श मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जु खरगे ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। खरगे ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में मणिपुर न तो सुरक्षित है और न ही एक रहा है। खरगे ने भाजपा सरकार पर बंटवारे की राजनीति करने का गंभीर आरोप लगाया। श्भाजपा जानबूझकर मणिपुर को जलते रहने देना चाहती हैश कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए लिखा कि श्आपकी डबल इंजन की सरकार में न मणिपुर एक है और न ही सेफ है। मई 2023 से मणिपुर अकल्पनीय दर्द, बंटवारे और हिंसा से गुजर रहा है, जिससे इसके लोगों का भविष्य तबाह हो गया है। हम ये पूरी जिम्मेदारी से कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा जानबूझकर मणिपुर को जलते रहने देना चाहती है ताकि अपने बंटवारे की राजनीति को जारी रख सके।श श्राज्य के लोग आपको माफ नहीं करेंगेश खरगे ने कहा कि मणिपुर में भाजपा सरकार पूरी तरह से असफल रही है और राज्य के लोग कभी भी इसके लिए भाजपा को माफ नहीं करेंगे। खरगे ने लिखा कि श्मणिपुर में 7 नवंबर से अब तक 17 लोगों की जान जा चुकी है और सीमावर्ती राज्य में हिंसा बढ़ती जा रही है। अगर आप भविष्य में मणिपुर का दौरा करते हैं तो राज्य के लोग कभी भी आपको न माफ करेंगे और न ही ये भूलेंगे कि आपने उनके साथ क्या किया।श मणिपुर में शनिवार को हिंसा की आग फिर भड़क गई और गुस्साए लोगों ने कई विधायकों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की। गुस्साई भीड़ सीएम आवास की तरफ भी बढ़ी थी, लेकिन पुलिस ने बड़ी मुश्किल से हालात पर काबू पाया। रविवार को पुलिस ने हिंसा और आगजनी के मामले में 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। राजधानी इंफाल में अगले आदेश तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी और सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन दोनों ही कई तरह के वादों के साथ मतदाताओं का समर्थन पाने की होड़ में हैं। महाविकास अघाड़ी गठबंधन की एक प्रमुख सदस्य कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणापत्र जारी किया है, जिसमें कांग्रेस के नेतृत्व वाले राज्यों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है और व्यापक विज्ञापनों के माध्यम से पहलों को प्रदर्शित किया गया है। महाविकास अघाड़ी के बैनर तले, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं, किसानों, युवाओं और अन्य प्रमुख मतदाता समूहों सहित मतदाताओं के विभिन्न वर्गों को आकर्षित करने के उद्देश्य से कई महत्वाकांक्षी वादे किए हैं।

विचलित करने वाले हालात, राज्य का दौरा करें पीएम मोदी: राहुल गांधी

इंफाल,(एजेंसी)। मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांदी ने पीएम मोदी से एक बार फिर राज्य का दौरा करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से एक बार फिर मणिपुर का दौरा करने और क्षेत्र में शांति और सुधार की दिशा में काम करने का आग्रह करता हूं। मणिपुर में एक साल से ज्यादा समय से चल रहे हिंसा का भयावह रूप आज भी देखने को मिल रहा है। इसी बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों विचलित करने वाले हालात बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य का दौरा करने और क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। बता दें कि पिछले साल मई से मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा ने 200 से अधिक लोगों की जान ले ली है। बता दें कि बीते दिनों मणिपुर में लापता छह लोगों में से तीन के शव नदी से निकाले जाने के एक दिन बाद शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने राज्य के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवासों पर हमला किया। हमले के बाद राज्य सरकार ने कुछ हिस्सों में इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने के अलावा पांच जिलों में अनिश्चित काल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। पीएम मोदी से किया आग्रह राहुल गांधी ने आगे पीएम मोदी कहा कि मैं प्रधानमंत्री से एक बार फिर मणिपुर का दौरा करने और क्षेत्र में शांति और सुधार की दिशा में काम करने का आग्रह करता हूं।

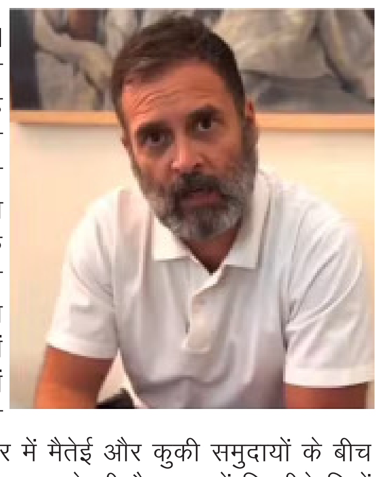

मेरे पास कोई विकल्प नहीं : गहलोत

● दिल्ली सरकार पर आरोप लगाकर कैलाश गहलोत ने छोड़ी पार्टी

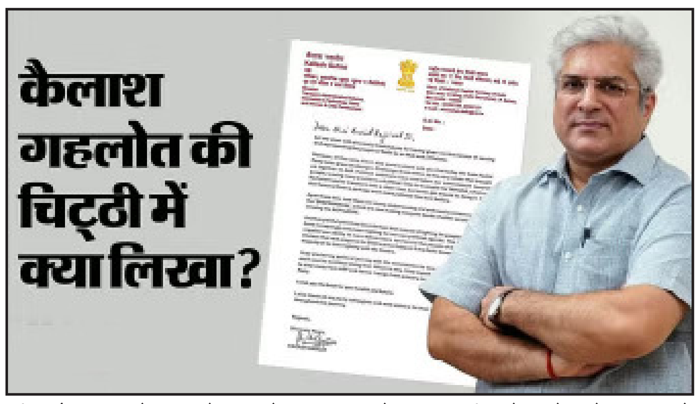

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने अपने इस इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। जानें उनके चिट्ठी बम में क्या लिखा है? आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कैलाश गहलोत ने अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को श्शीशमहलश करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री रहे कैलाश गहलोत ने लिखा कि ष्अरविंद केजरीवाल जी, मैं आपको सबसे पहले एक विधायक और एक मंत्री के रूप में दिल्ली के लोगों की सेवा करने और उनका प्रतिनिधित्व करने का सम्मान देने के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं। हालांकि, साथ ही मैं यह भी बताना चाहता हूं कि आज आम आदमी पार्टी के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। अंदरूनी चुनौतियां, उन्हीं मूल्यों के सामने जो हमें आप में लेकर आए।राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ दिया है, जिससे कई वादे अधूरे रह गए हैं। गहलोत ने लिखा कि हमने यमुना को स्वच्छ नदी में बदलने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं कर पाए। यमुना अब शायद पहले से भी ज्यादा प्रदूषित हो गई है। इसके अलावा, अब श्शीशमहलश जैसे कई शर्मनाक और अजीब विवाद भी हैं, जो अब सभी को संदेह में डाल रहे हैं कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने पर विश्वास करते हैं? चिट्ठी में लिखा है कि एक और दुखद बात यह है कि लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं। इसने दिल्ली के लोगों को बुनियादी सेवाएं देने की हमारी क्षमता को भी गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। अब यह स्पष्ट है। कि अगर दिल्ली सरकार अपना ज्यादातर समय केंद्र से लड़ने में बिताती है, तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास कोई विकल्प नहींरू कैलाश गहलोत कैलाश गहलोत ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा दिल्ली के लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ शुरू हुई थी।

बीजेपी ने हार मानी, हमारे नेताओं को दिखाया जा रहा ईडी–सीबीआई का डर: केजरीवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूर्वांचल के लिए केजरीवाल ने काम किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूर्वांचल के लिए केजरीवाल ने काम किया है। 10 साल के दौरान सभी काम पूर्वांचल के लोग के लिए किए हैं। आप में दो बार के विधायक किराड़ी से अनिल झा शामिल हुए। कैलाश गहलोत के मामले पर केजरीवाल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। दिल्ली के अंदर अगर पूर्वांचल के लिए अगर किसी एक व्यक्ति ने काम किया है तो वे मात्र अरविंद केजरीवाल हैं। आज के दस साल पहले दिल्ली की कच्ची कॉलोनी की व्यवस्था जर्जरी होती थी। लेकिन 10 साल के अंदर आज वह पूरी तरह बदल चुके है। उनमें रहने वाले पूर्वांचली को पीने का पानी, बिजली शानदार काम किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि किसी एक व्यक्ति ने काम किया है तो वह व्यक्ति है। यूपी बिहार से जब कोई व्यक्ति दिल्ली में काम धंधे की तलाश से पढ़ाई करने के लिए जब दिल्ली में आता है तो कच्ची कॉलोनियों के अंदर रहता है। दिल्ली की जितने भी कच्ची कॉलोनी से वहां रहता है। आज से 10 साल पहले वह सारी कच्ची कॉलोनियां नर्क का दूसरा रूप होती थी। ना सड़के होती थी, लोग घुटने भर के कीचड़ में रहते थे। ना पीने के पानी की व्यवस्था होती थी। न सीवर की व्यवस्था होती थी, न लाइट होती थी।केजरीवाल ने आगे कहा कि मात्र 10 साल के अंदर दिल्ली के वह सारे इलाके जहां पर पूर्वांचल के लोग रहते हैं, जितनी भी कच्ची कॉलोनियां हैं।

वहां पर आज शानदार सड़कें आपको मिलेंगे। पानी की पाइपलाइन आपको हर जगह मिलेगी। लोग अपने घरों के अंदर पानी अब ले रहे हैं। सीवर की लाइन पूरी दिल्ली के अंदर बढ़ा दिया। आज उसे तरह से जो कीचड़ में गंदे में पूरी तरह से पूर्वांचल के लोग रहते थे।

दो बार किराड़ी से विधायक रहे और दिल्ली यूनिवर्सिटी में पिछले 25 सालों में मात्र एक व्यक्ति पूर्वांचल का व्यक्ति जो की अध्यक्ष रहा। दिल्ली यूनिवर्सिटी का वह अनिल झा आज हमारे साथ जुड़ रहे हैं।

'राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए'

● कांग्रेस नेता की टिप्पणियों पर गडकरी का पलटवार

मुंबई,(एजेंसी)। राहुल गांधी द्वारा जाति जनगणना का मुद्दा उठाने गडकरी ने कहा कि असली मुद्दा गांवों, गरीबों और किसानों के कल्याण का है। गरीबों की कोई जाति और धर्म नहीं होता और एक मुसलमान को भी अन्य लोगों के समान ही पेट्रोल मिलता है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने सभी नेताओं से राहुल गांधी को गंभीरता से न लेने की अपील की। दरअसल, हाल ही में कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भी राष्ट्रपति बाइडन की तरह भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। नागपुर में प्रचार के दौरान भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा कि कांग्रेस नेता जिस की बाते करते हैं, कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव में एक बार फिर महायुति सरकार पर भरोसा जताएगी। भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा, ष्जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, उन्हें कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। मुझे लगता है कि लोगों को उनकी टिप्पणियों को भी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भी राष्ट्रपति बाइडन की तरह भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं।ष लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को किया गया भ्रमितरू गडकरी लोकसभा चुनाव में महायुति सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसे लेकर सवाल किए जाने पर नितिन गडकरी ने कहा, ष्लोकसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं को भ्रमित किया गया था। एक कहानी बनाई गई थी कि अगर हम 400 से अधिक सीटें जीतेंगे तो बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान में संशोधन करेंगे।ष उन्होंने आगे कहा, ष्संविधान को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। हम न तो ऐसा कभी करेंगे और न ही किसी को करने देंगे।ष केंद्रीय मंत्री ने कहा, ष्अब लोगों को मालूम चल गया। कि लोकसभा तुनाव के दौरान विपक्ष का अभियान झूठ पर आधारित था। अब उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में महायुति को सकारात्मकता के साथ समर्थन देने का फैसला किया है।ष बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर प्रतिक्रिया देते हुए।

नितिन गडकरी ने कहा, ष्हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं। हम सब एक हैं। कोई मंदिर जाता है, कोई मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च, लेकिन हम सब भारतीय ही हैं।

दशकीय जनगणना

आम तजुर्बा है कि मौजूदा सरकार को आंकड़ों की पारदर्शिता पसंद नहीं है। वरना, यह समझना मुश्किल है कि भारत में अब तक दशकीय जनगणना क्यों नहीं हुई, जबकि कोविड–19 महामारी का साया हटे लंबा अरसा गुजर चुका है।

केंद्र ने जब कुछ महीने पहले सांख्यिकी स्थायी समिति बनाई, तो उसमें शामिल 14 विशेषज्ञों में से कुछ नामों को देख कर आश्चर्य हुआ था। खास कर यह देख कर हैरत हुई कि समिति की अध्यक्षता प्रणब सेन को सौंपी गई है, जिनकी छवि आंकड़ों के प्रति ईमानदारी बरतने की रही है। बताया गया कि समिति राष्ट्रीय सैंपल सर्वे तथा अन्य सरकारी सर्वेक्षणों की सैंपलिंग एवं आंकड़ा विश्लेषण को लेकर सुझाव देगी।

यह जग–जाहिर है कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में तमाम सरकारी आंकड़ों की साख क्षीण होती चली गई है। अब खबर है कि सरकार ने गुपचुप प्रणब सेन समिति को भंग कर दिया है। समिति के सदस्यों का तो कहना है कि समिति क्यों भंग हुई, उन्हें इसका कारण तक नहीं बताया गया है। अधिकारियों को मीडिया से जरूर कहा है कि अब राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षणों के बारे में स्थायी संसदीय समिति बन गई है, इसलिए दोनों समितियों का दायरा टकरा रहा था। जबकि सूत्रों के आधार पर छपी अखबारी रिपोर्टों में बताया गया है कि एक बैठक के दौरान सेन समिति के सदस्यों ने जनगणना में हो रही देर पर अधिकारियों से सख्त सवाल पूछे।

मुमकिन है कि सरकार इससे खफा हो गई हो। आम तजुर्बा है कि मौजूदा सरकार को सवाल और आंकड़ों की पारदर्शिता पसंद नहीं है। वरना, यह समझना किसी के लिए मुश्किल है कि भारत में अब तक दशकीय जनगणना क्यों नहीं हुई? 2021 में इसे कोविड–19 महामारी के कारण टाला गया था, हालांकि उसी वर्ष तमाम चुनाव कराए गए। बहरहाल, महामारी का साया हटे लंबा अरसा गुजर चुका है।दुनिया में कोई ऐसा प्रमुख देश नहीं है, जहां अब तक जनगणना ना हुई हो। इसलिए यह कहने का आधार बनता है कि मोदी सरकार ठोस एवं विश्वसनीय आंकड़ों के स्रोत जनगणना को जानबूझ कर टाल रही है। आंकड़े समय की सच्चाई को बताते हैं। आंकड़े ना हो, तो मनमानी कहानियां बनाई जा सकती हैं। जिस सरकार की प्राथमिकता मनपसंद आंकड़े तैयार कर विमर्श को भ्रमित करना और उसके जरिए मनगढ़ंत नैरेटिव्स को विश्वसनीय बनाना रहा हो, विशेषज्ञों से उसका गुरेज समझा जा सकता है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

हिंदू धर्मस्थलों को मुक्ति की आवश्यकता

एस. सुनील

हिंदू धर्मस्थलों को मुक्ति की आवश्यकता है। इन्हें सरकारी नियंत्रण से मुक्ति की आवश्यकता है तो न्यायपालिका के समय समय पर होने वाले हस्तक्षेप और मीडिया की सतत निगरानी से भी मुक्ति की आवश्यकता है। तिरुपति प्रसादम् विवाद ने इस आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। आंध्र प्रदेश की तिरुमाला की सात पहाडियों पर स्थित श्री भगवान वेंकटेश्वर मंदिर यानी तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम् में मिलावट का जो मामला सामने आया है वह भयावह और बेहद चिंताजनक है। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था को छिन्न भिन्न करने वाला है। इस विवाद से हिंदू मंदिरों और तमाम धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की आवश्यकता प्रमाणित हुई है। यह सही है कि राज्य के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने संकेत दिया है कि अब तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम् यानी टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष हिंदू ही बनेगा लेकिन यह बड़ा सवाल है कि यह सरकार क्यों तय करेगी कि कौन अध्यक्ष बनेगा? यह काम सरकार के हाथ में क्यों होना चाहिए? क्या दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों का प्रबंधन सरकार के हाथों में है? और अगर नहीं है तो क्या हिंदू धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण में रखना संविधान के अनुच्छेद 14 से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है?

ये सवाल इसलिए हैं क्योंकि जगन मोहन रेड्डी और उनके स्वर्गीय पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी की सरकारों में तिरुपति के मंदिर के बोर्ड में गैर हिंदू अध्यक्ष बनाए जाने की खबरें आई थीं। इनकी सरकारों में एक ऐसे व्यक्ति को टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था, जिसने भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा को काला पत्थर बता कर उसे अपमानित करने की बात कही थी। ऐसे ही एक अन्य व्यक्ति को भी बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया था, जिनकी पुत्री ने ईसाई रीति रिवाज से अपनी शादी का वीडियो सार्वजनिक किया था। क्या किसी दूसरे धर्म या पंथ के धार्मिक स्थल का नियंत्रण ऐसे व्यक्ति के हाथ में दिया जा सकता है, जो उस धर्म में और उसकी मान्यताओं में आस्था नहीं रखता हो? जब इस्लाम या ईसाई धर्म के धर्मस्थलों के मामले में ऐसा नहीं होता है तो हिंदू धर्मस्थलों के मामले में भी ऐसा नहीं होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 25 में सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। इसी अनुच्छेद के आधार पर धार्मिक संस्था बनाने और आस्था के प्रचार का अधिकार भी मिला हुआ है और इसी अनुच्छेद के जरिए धार्मिक संस्थाओं को प्रशासित या प्रबंधित करने का अधिकार भी सभी धर्मों को मानने वालों को मिला है। तभी सवाल है कि कोई भी सरकार इस अनुच्छेद के अनुपालन में भेदभाव कैसे कर सकती है? अगर इस अनुच्छेद के अनुपालन में भेदभाव होता है तो वह संविधान के अनुच्छेद 14 से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन है। इसी आधार पर भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सुब्रमणियन स्वामी ने अलग अलग अदालतों में कई याचिकाएं दायर की हैं। उन्होंने उत्तराखंड में चार धाम देवस्थानम प्रबंधन का गठन करके चार धाम और 51 अन्य धार्मिक स्थलों का अधिग्रहण करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने महाराष्ट्र में भी विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर के प्रबंधन को लेकर भी हाई कोर्ट में याचिका दी है।

हिंदू धर्मस्थलों का नियंत्रण सरकारों के हाथ में होने या उनके प्रबंधन में सरकार के हस्तक्षेप से कई और विसंगतियां पैदा हो रही हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। संविधान हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक आस्था को बिना डरे प्रकट करने और उसका प्रचार करने की अनुमति देता है। इसका लाभ उन धर्मों को होता है, जिनके धार्मिक संस्थान सरकारी नियंत्रण में नहीं हैं और जिनको मिलने वाले चंदे और दान का सारा नियंत्रण उस धर्म को मानने वाले निजी लोगों के हाथ में है। वे इसका उपयोग अपने धर्म के प्रचार, प्रसार में करते हैं। चर्च और मस्जिदों में मिलने वाले दान का इस्तेमाल ईसाई और इस्लाम धर्म के प्रचार में किया जाता है। लेकिन क्या हिंदू मंदिरों में मिलने वाले चंदे या दान का इस्तेमाल हिंदू धर्म के प्रचार, प्रसार में किया जाता है? वास्तविकता यह है कि मंदिरों में मिलने वाले चंदे और दान के एक हिस्से का इस्तेमाल तो मंदिर के प्रबंधन और प्रशासन के संचालन में होता है लेकिन धर्म के प्रचार में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। यहां तक कि धार्मिक मान्यताओं और करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा के लिए भी इसका उपयोग नहीं किया जाता है। अगर इसका उपयोग उचित तरीके से किया जाता तो क्या तिरुपति के मंदिर की अपनी एक प्रयोगशाला नहीं होती, जिसमें पूजा सामग्री और प्रसादम् में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता नियमित रूप से जांची जाती? तिरुपति के मंदिर में हर साल औसतन 12 सौ करोड़ रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। मंदिर के हजारों करोड़ रुपए बैंकों में जमा हैं। लेकिन मंदिर प्रबंधन के पास एक छोटी प्रयोगशाला नहीं है, जिसमें मंदिर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता जांची जा सके! यह कितने आश्चर्य की बात है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि मंदिर प्रबंधन का करोड़ों हिंदुओं की आस्था और धार्मिक मान्यताओं से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए मंदिर का प्रबंधन वैसे ही है, जैसे किसी कंपनी या कल कारखाने का प्रबंधन होता है। वे मशीनी अंदाज में सरकारी कामकाज करते हैं। जिस तरह के चर्च का प्रबंधन ईसाई धर्मगुरू करते हैं या मस्जिदों का प्रबंधन मुस्लिम धर्मगुरुओं, मौलानाओं के हाथों में होता है वैसे ही हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू धर्मगुरुओं के हाथ में होना चाहिए। मंदिरों को मिलने वाले दान या चढ़ावे की रकम का ऑडिट हो, उसमें किसी को कोई समस्या नहीं है। आमदनी और खर्च का ब्योरा सार्वजनिक किए जाने में भी कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। लेकिन साथ ही मंदिर प्रबंधन को चंदे और दान की रकम का उपयोग धार्मिक स्थल की शुचिता की रक्षा करने और धर्म के प्रचार प्रसार में करने की स्वंतत्रता भी होनी चाहिए।

सरकारों को यह समझने की जरुरत है कि मंदिर कोई सरकारी या निजी संस्था नहीं हैं। हर मंदिर की एक मान्यता है। उसका इतिहास है। उसकी समृद्ध विरासत है। भारत में अनेक मंदिर ऐसे हैं, जिनकी स्थापना सैकड़ों, हजारों साल पहले हुई है। हजारों वर्षों से कोई एक धार्मिक समूह या एक परिवार उन मंदिरों का रखरखाव और प्रबंधन करता रहा है। सिर्फ इस आधार पर उनसे यह अधिकार नहीं छीना जा सकता है कि अब वह मंदिर बहुत बड़ा हो गया है और उसको बहुत ज्यादा चंदा या चढ़ावा मिलने लगा है? क्या इस आधार पर सरकार किसी निजी कंपनी का अधिकार अपने हाथ में ले सकती है कि उसकी कमाई बहुत हो गई है? अगर नहीं ले सकती है तो फिर मंदिरों के मामले में ऐसा क्यों किया जाता है? माता वैष्णो देवी के मंदिर का प्रबंधन सदियों से बारीदार संभालते रहे थे। वे दसवीं सदी से मंदिर का प्रबंधन संभालते थे। लेकिन मंदिर की मान्यता बढ़ी और भक्तों की भीड़ बढ़ी तो माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड बना कर बारीदारों से प्रबंधन का अधिकार छीन लिया गया है। उत्तराखंड के चार धाम से लेकर कश्मीर में माता वैष्णो देवी के मंदिर तक की एक कहानी है। ऐसा सिर्फ हिंदू मंदिरों के साथ क्यों होता है?

ऐसे ही हर हिंदू मंदिर की कुछ विशिष्ट धार्मिक मान्यताएं हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई मान्यताएं वर्तमान समय के सामाजिक मूल्यों के संगत नहीं हैं। फिर भी उनमें बदलाव का फैसला सरकारी या अदालती आदेश से किया जाना क्या उचित है? सबरीमाला मंदिर में एक निश्चित आयु की महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। लेकिन छुआछूत और समानता के अधिकार का हवाला देते हुए न्यायालय द्वारा इस पूजा परंपरा को समाप्त करने का आदेश दिया गया। क्या इस तरह के आदेश अन्य धर्मों में प्रचलित मान्यताओं को समाप्त करने के लिए सरकार के स्तर से या न्यायपालिका के स्तर से दिए जा सकते हैं? ध्यान रहे सामाजिक या पारिवारिक मान्यताएं अपनी जगह हैं। उनको समय के हिसाब से बदला जा सकता है। जैसे सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक के नियम को असंवैधानिक घोषित कर दिया। लेकिन धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं इस दायरे में नहीं आती हैं।

बहरहाल, तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल की मिलावट का मामला समूचे हिंदू समाज की आस्था पर गहरा प्रहार है। लेकिन इस विवाद ने एक अवसर को जन्म दिया है। इससे सबक लिया जाना चाहिए और हिंदू धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाना चाहिए। उनका प्रबंधन हिंदू धर्म में गहरी आस्था रखने वाले और परंपराओं का सम्मान करने वाले धर्मगुरुओं के हाथ में सौंपी जानी चाहिए। उन्हें भी मंदिरों को मिलने वाले दान और चंदे का विवेकपूर्ण तरीके से धर्म के प्रचार, प्रसार में खर्च करने की अनुमति होनी चाहिए। उन्हें भी धार्मिक स्थलों का विकास करने की अनुमति होनी चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 30 भाषायी और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान बनाने और उन्हें संचालित करने का अधिकार देता है। हिंदू धर्मस्थलों को भी इस तरह का अधिकार दिया जाना चाहिए कि वे अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करें और उनका संचालन करें, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ साथ धर्म, परंपरा और संस्कृति के पांच हजार साल पुराने इतिहास की भी शिक्षा दी जा सके।

जयशंकर चुप ही रहे

पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में क्यों नहीं है? फिर उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं?

विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को गहरे आत्म–निरीक्षण की जरूरत है, लेकिन वर्तमान सरकार से इसकी अपेक्षा निराधार है। इस सरकार की पहचान प्रतिकूल स्थितियों में अनुकूलता के तत्व गढने) की रही है। यही संकेत फिर मिला, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वॉशिंगटन स्थित एशिया सोसायटी के संवाद में शामिल हुए। वैसे उनसे यह सुनना कर्णप्रिय लगा कि पड़ोसी देशों की अंदरूनी घटनाएं भारत की इच्छा के मुताबिक घटे, ऐसी अपेक्षा भारत नहीं रखता। संदर्भ लगभग दो महीने पहले बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट और इसी हफ्ते श्रीलंका में आए चुनाव नतीजों का था। पांच अगस्त को शेख हसीना के देश छोडने पर मजबूर होने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं ऊफान पर हैं। इधर समझा जाता है कि श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनूरा कुमार दिसानायके और उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना परंपरागत रूप से भारत विरोधी रही हैं। मतलब यह कि दो महीनों के अंदर दो पड़ोसी देशों में भारतीय विदेश नीति के लिए नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आत्म–निरीक्षण का विषय यह होना चाहिए कि आखिर पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में व्यापकता लिए क्यों नहीं है?

आत्म–निरीक्षण का दूसरा विषय है कि उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? अभी हाल में गृह मंत्री अमित शाह झारखंड में चुनाव प्रचार में गए, तो वहां उन्होंने बांग्लादेशियों के बारे में कुछ ऐसा कहा, जिससे बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं फिर भड़क उठीं। शाह पहले भी बांग्लादेशियों के लिए दीमक जैसे शब्द बोल चुके हैं। इसी तरह तमिलनाडु में चुनाव के मौके पर प्रधानमंत्री ने कच्चतिवू द्वीप का मसला जोरशोर से उठाया था, जिसको लेकर श्रीलंका में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। विडंबना यह है कि चुनाव के बाद कच्चतिवू के सवाल को भुला दिया गया। सत्ता के शिखर पर बैठे नेता जब चुनावी गणना के मुताबिक दूसरे देशों से संबंधित मुद्दे गरमाते हैं, तो क्या उन्हें इसके उन देशों में संभावित असर का ख्याल नहीं रहता? ऐसे बिंदुओं पर जयशंकर चुप ही रहे।

कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है

समीर पंडिता

भारत का लक्ष्य 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है, इसलिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवहन क्षेत्र को कार्बन–मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, ईवी को व्यापक रूप से अपनाना एक विश्वसनीय और सुलभ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 जारी किए हैं। यह देश भर में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया एक ढांचा है। एक मजबूत ईवी चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण न केवल सुविधा के लिए बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा का लाभ उठाने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस विकास से नए उद्योग सृजन, रोजगार पैदा करने और नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी तकनीक और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम में नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दिशानिर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं

दिशानिर्देश 2024 शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों एवं दोपहिया वाहनों से लेकर भारी–भरकम ट्रकों तक, विभिन्न प्रकार के वाहनों की जरूरतों को पूरा करने वाले चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज गति से विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करते हैं। दिशा–निर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैंरू

सार्वजनिक और निजी चार्जिंग स्टेशनरू दिशा–निर्देश 2024 में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण अनिवार्य किए गए हैं, ताकि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है। वे आवासीय परिसरों, कार्यालयों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में निजी चार्जिंग पॉइंट को बढ़ावा देते हैं। यह व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पहुंच को सरल बनाते हैं और शहरी और उपनगरीय निवासियों के बीच ईवी अपनाने को और बढ़ावा देते हैं। एक इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ता के रूप में, आपको दिल्ली से शिमला की यात्रा करते समय अपनी ईवी बैटरी चार्ज करने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपको राजमार्ग पर प्रत्येक 20 किलोमीटर पर एक चार्जिंग प्वाइंट मिल जाएगा। शहर में आने के बाद, आप बिना किसी चिंता के अपने घर या कार्यालय में चार्ज कर सकते हैं।

पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) रू दिशा–निर्देश 2024 की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न चार्जिंग नेटवर्क के बीच पारस्परिकता पर जोर देना है। इसका मतलब है कि ईवी उपयोगकर्ता चार्जिंग उपकरण के निर्माता या वाहन के प्रकार की चिंता किए बिना किसी भी चार्जिंग स्टेशन पर अपने वाहन चार्ज कर सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर व्यापक रूप से सुलभ और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल हो। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए, पारस्परिकता संभावित रूप से कम शुल्क के साथ कई चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच को सक्षम करके अधिक सुविधा, लचीलापन, कम रेंज की चिंता, लागत बचत प्रदान करती है। इसलिए, अगली बार जब आप यात्रा करेंगे, तो आप हाईवे पर या शहर में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन पर अपने ईवी को चार्ज करने के लिए लंबी कतार में इंतजार करते हुए निराश नहीं होंगे। चार्जर्स की पारस्परिकता के लिए धन्यवाद, आप निकटतम चार्जिंग स्टेशन का अविलंब पता लगाने के लिए किसी भी चार्जिंग सेवा प्रदाता के मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

स्मार्ट चार्जिंगरू दिशा–निर्देश 2024 स्मार्ट चार्जर्स के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जो ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए ग्रिड प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत होते हैं। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को व्यस्त समय के अलावा (ऑफ–पीक) चार्जिंग सत्र शेड्यूल करने से बिजली की मांग कम होती है। इससे लागत कम होती है और पावर ग्रिड पर बोझ कम करता है। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को ऑफ–पीक घंटों के दौरान चार्जिंग शेड्यूल करके लागत कम करने में सक्षम बनाता है। यात्रा के लिए चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं। एक डिस्कॉम के रूप में, आप अपने ग्रिड को स्थिर करने में मदद करने के लिए स्मार्ट ईवी चार्जर्स को प्राथमिकता देंगे। ईवी को सिस्टम में आसानी से एकीकृत करने की अनुमति देंगे, क्योंकि अप्रबंधित चार्जिंग आपके ग्रिड को ओवरलोड कर आपके परिचालन व्यय को बढ़ा सकती है तथा ग्रिड की विश्वसनीयता एवं स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

सुरक्षा और विश्वसनीयता मानकरू दिशा–निर्देश 2024 में चार्जिंग स्टेशनों के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अनिवार्य किया गया है, जिसमें अग्नि सुरक्षा, विद्युत खतरे से सुरक्षा और स्पष्ट संकेत शामिल हैं, जो सार्वजनिक स्टेशनों के लिए उपयोगकर्ता की चिंताओं को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, उन्हें अनुपलब्ध चार्जिंग पॉइंट के कारण ड्राइवरों को फंसे रहने से बचाने के लिए राजमार्ग स्टेशनों पर निर्बाध सेवा की आवश्यकता होती है। इसलिए, एक ईवी उपयोगकर्ता के रूप में, सुरक्षित, उच्च–गुणवत्ता वाले और विश्वसनीय चार्जर होने का मतलब है कि आपको बिजली के झटके, आग या किसी खराबी जैसे संभावित खतरों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। इससे आपको मन की शांति मिलती है और आपका वाहन सुरक्षित रूप से चार्ज होता है। साथ ही, विश्वसनीय चार्जर के साथ, आप दोषपूर्ण उपकरणों के कारण आप रास्ते में फंसेंगे नहीं और इससे आपकी यात्रा आसान और तनाव मुक्त रहेगी।

निजी निवेश को प्रोत्साहन एवं बढ़ावारू सरकार ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भूमि की उपलब्धता बढ़ाने हेतु अभिनव व्यवसाय मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह के वित्तीय प्रोत्साहन दे रही है। इन उपायों का उद्देश्य ईवी चार्जिंग पर लागत कम करना और विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में इसकी स्थापना को सरल बनाना है। इस संबंध में जारी दिशा–निर्देश सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) को चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निजी क्षेत्र के संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, स्थानीय सरकारें ईवी चार्जिंग नेटवर्क का अधिक कुशलता से विस्तार कर सकती हैं। चार्जिंग व्यवसाय में निवेश करने को उत्सुक एक चार्ज पॉइंट ऑपरेटर के रूप में आपको पता चलता है कि चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़ी सबसे बड़ी लागत भूमि है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग, सस्ती भूमि तक पहुंच और प्रचार आपूर्ति शुल्क की उपलब्धता के साथ, आप अपने शुरुआती निवेश और परिचालन व्यय को काफी कम कर सकते हैं। रणनीतिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके, आप ईवी चलाने वालों को बेहतर सेवा दे सकते हैं और अधिक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान दे सकते हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

अक्षय ऊजारू ईवी के संबंध में दिशा–निर्देश सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के साथ चार्जिंग स्टेशनों को जोडने को बढ़ावा देते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि ईवी स्वच्छ ऊर्जा से संचालित हों और उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। आप अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और अपनी चार्जिंग लागत को कम करने के लिए अपनी ईवी बैटरी को अक्षय ऊर्जा से चार्ज करना पसंद करेंगे। आप छूट का लाभ उठाने के लिए सुबह 9रू00 बजे से शाम 4रू00 बजे के बीच सौर घंटों के दौरान सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन, निवास या कार्यालय में चार्ज करना पसंद करेंगे। इस तरह, आप पहले से ही व्यस्त ग्रिड पर लोड बढ़ाए बिना और शाम के व्यस्त घंटों के दौरान कटौती के समय (आउटेज) में योगदान दिए बिना अपने ईवी को चार्ज कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशा–निर्देश 2024 भारत के एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चुनौतियों का समाधान करके और ईवी अपनाने को बढ़ावा देने वाले ये दिशा–निर्देश एक स्वच्छ परिवहन प्रणाली का आधार तैयार करते हैं। एक व्यापक ईवी चार्जिंग नेटवर्क जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करेगा, वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा और वायु गुणवत्ता में सुधार करेगा, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप होगा। जैसे–जैसे देश अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है, इन दिशा–निर्देशों के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना इसकी ऊर्जा परिवर्तन रणनीति के लिए महत्वपूर्ण होगा।

ई-लाटरी से १४५ लाभार्थियों का चयन

प्रतापगढ़। वित्तीय वर्ष 2024–25 में कृषि विभाग की समस्त योजनाओं के अन्तर्गत रूपये 10 हजार से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकरणों पर अनुदान दिये जाने के लिये दिनांक 09 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक आनलाईन के माध्यम से की गयी बुकिंग की ई–लाटरी के माध्यम से चयन हेतु जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में कृषि भवन के सभागार कक्ष में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की उपस्थिति में ई–लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया गया।

ई–लाटरी चयन की कार्यवाही मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। ई–लाटरी के माध्यम से रोटावेटर के 88 कृषक, पैडी मल्टीक्राप थ्रेसर के 09 कृषक, लेजर लैण्ड लेबलर के 05 कृषक, स्ट्रारीपर के 02 कृषक, पावर चैफ कटर के 17 कृषक, मिनी राइसमिल के 03 कृषक, थ्रेसिंग फ्लोर के 04 कृषक, स्मॉल गोदाम के 08 कृषक, कस्टम हायरिंग सेन्टर ग्रामीण उद्यमी के 07 कृषक, कम्बाइन हार्वेस्टर विद सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम के 02 कृषकों का चयन आनलाइन ई–लाटरी के माध्यम से किया गया। इस प्रकार ई–लाटरी के माध्यम से 145 लाभार्थियों का चयन किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने समस्त चयनित लाभार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने चयनित कृषकों से कहा कि चयन अवधि की तय समय सीमा में यन्त्र क्रय कर पोर्टल पर बिल, कृषि यन्त्र के साथ कृषक का फोटोग्राफ एवं लेजर कटिंग/सी0एम0एल0 नम्बर का फोटोग्राफ पोर्टल पर अपलोड करना होगा जिसके लिये कृषि यन्त्रों हेतु अधिकतम 30 दिन का समय एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर के लाभार्थी हेतु 45 दिन का समय है, कृषकों द्वारा तय समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण न करने वाले

कृषकों का चयन स्वतः निरस्त हो जायेगा एवं प्रतीक्षारत कृषकों का चयन स्वतः हो जायेगा। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार भी उपस्थित रहे।

खेती की नवीनतम तकनीकी जानकारी के लिये सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु कृशक विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी कृशि से करें सम्पर्क– उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि जनपद के विकास खण्ड लक्ष्मणपुर, शिवगढ़, गौरा एवं मानधाता से दिनांक 15 नवम्बर को कुल 350 कृषक, दिनांक 16 नवम्बर को विकास खण्ड कुण्डा एवं गौरा से 300 कृषक, दिनांक 17 नवम्बर को कालाकांकर एवं कुण्डा से 300 कृषक तथा दिनांक 18 नवम्बर को सण्ड़वा चन्द्रिका, सदर एवं बाबा बेलखरनाथधाम से 350 कृषकों द्वारा सी0आई0आई0एग्रीटेक इण्डिया–कृषि भारत 2024 के आयोजित सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु वृन्दावन ग्राउण्ड लखनऊ में खेती की नवीनतम तकनीकी की जानकारी प्रदान करने हेतु भ्रमण पर भेजा जा रहा है। इच्छुक कृषक अपने विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी कृषि से सम्पर्क कर भ्रमण पर जा सकते है।

जिलाधिकारी ने दूर–दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता शारदा प्रसाद पाण्डेय निवासी कोड़रखा थाना संग्रामगढ़ ने शिकायत किया कि प्रार्थी की बैनामाशुदा भूमि पर ग्राम के सुरेश कुमार व राकेश कुमार द्वारा अवैध अतिक्रमण कर लिया गया है जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी कुण्डा एवं एसओ संग्रामगढ़ को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें एवं की गयी कार्यवाही से अवगत करायें। जनसुनवाई में प्राप्त राजस्व शिकायतों

➤ शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करायें–जिलाधिकारी

के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

40 पत्रावली में से शिक्षा निदेशालय ने 37 पर लगाई आपत्ति

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से आच्छादित अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के ऐसे शिक्षक एवं कर्मचारी जिनका चयन राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 28 मार्च 2005 के पूर्व हो चुका था। इन सभी शिक्षक एवं कर्मचारी को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किया जाना है। शासन की इस महत्वपूर्ण योजना को सुल्तानपुर के डीआईओएस रविशंकर और उनके कार्यालय के बाबू असफल करने में जुटे हुए है। बताते चलें कि सुल्तानपुर जनपद में 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों के लगभग 40 अध्यापकों की पत्रावली पुरानी पेंशन से आच्छादित होने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक, सुल्तानपुर के कार्यालय में जमा हुई थी। जिला विद्यालय निरीक्षक सुल्तानपुर द्वारा सभी 40 पत्रावलियों का कथित गहन परीक्षण करने के बाद शिक्षा निदेशक माध्यमिक के पास अग्रसारित कर दिया गया।अग्रसारित 40 पत्रावली में से 37 पत्रावलियों पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रयागराज द्वारा आपत्ति लगा दी गई। क्या जिला विद्यालय निरीक्षक सिर्फ आपत्ति लगने के लिए ही पत्रावली का बिना परीक्षण किए अग्रसारण कर दिए थे? क्या जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा बिना पत्रावली देखे सिर्फ आंख मूंद कर अपूर्ण पत्रावली पर हस्ताक्षर किए?क्या जिला विद्यालय निरीक्षक को शासन के आदेश और पत्रावली की पूर्णता का ज्ञान नहीं है?

स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का शुभारम्भ

मीरजापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के कार्ययोजना 2024–25 के तहत जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य चिकित्साधिकारी के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द हाल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का शुभारम्भ डीएलएसए सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या एवं डिप्टी मुख्य चिकित्साधिकारी डा मुकेश प्रसाद ने किया। डीएलएसए सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने उपस्थित मुख्यालय, सीएचसी, पीएचसी के समस्त डार्टस को सम्बोधित करते हुए बताया कि आधुनिक युग में भाग दौड़ की जीन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति तनाव में होता है और वह डिप्रेशन, अवसाद, तनाव में होता है। रोगी को बार बार नकारात्मक विचारों का आना, अंजाना भय, कुछ अनहोनी होने के विचारों का आना आता रहता हैं। तनाव मुक्त होने के लिए समय से मनः चिकित्सक से इलाज कराना आवश्यक है। मानसिक एवं तनाव को दूर करने के लिए समय समय पर चिकित्सक के सर्म्पक में रहना चाहिए उन्होने डिप्टी सीएमओ को निर्देशित किया कि मानसिक रोग इलाज के सन्दर्भ व्यापक प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करें। मानसिक रोगियों को यदि किसी भी प्रकार दिक्कत आती है तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में एक प्रार्थना पत्र देकर सहायता प्राप्त कर सकता है। डिप्टी सीएमओं डा मुकेश प्रसाद ने उपस्थित सभी डार्टस को सम्बोधित करते हुए बताया कि मानसिक रोगियों की संख्या अन्य रोगियों की तुलना में ज्यादा है। इस रोग का पहचान नींद कम आना या अत्यधिक आना, अंजाना भय, काल्पनिक आवाजों की सुनाई देना, भूत प्रेत का डर, आत्महत्या की भावना या आत्महत्या का प्रयास करना, किसी काम में मन न लगना, रोने की इच्छा होना, झुझलाहट एवं अत्यधिक आकामक्ता, शारीरिक नुकसान पहुंचाना जैसे लक्षण होते है।

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

सीतापुर। तंबौर कस्बे के डॉ0 राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमे छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिसा लिया जिसमे 100, 200 और 400 मीटर रेस, कबड्डी, क्रिकेट, वॉलीवाल,बैडमिंटन, मेहंदी, रंगोली, कैरम लेमन एंड स्पून रेस, कार्ड मैकिंग, फ्रॉग रेस, फैंसी ड्रेस, म्यूजिकल चेयर, लम्बी कूद, ऊंची कूद, आदि भव प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबन्धक मुन्ना मुजम्मिल खान, मुख्य अतिथि तौकीर अहमद अल्लन खान, सभासद सैय्यद रेहान, कॉलेज के पूर्व प्रधानचार्य विशाल श्रीवास्तव, हबीब सुल्तान, हाजी शामून खान, पूर्व सभासद जावेद खान, मौलाना गुफरान, फैजान अशरफ, जावेद नसीर, शाहआलम खान, कलीम खान, अबरार खान,द्वारा विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रधान की दंबगई के आगे पुलिस भी बेबस

बल्दीरायध्सुलतानपुर । सरकार के नियम कानून को धत्ता बताते हुए ग्राम प्रधान पुस्तैनी जमीन में ही खड़न्जा का निर्माण करवा रहा है। स्थानीय पुलिस ने निर्माण करने से मना किया लेकिन प्रधान जबरन निर्माण करवाने पर अड़ा हुआ है प्रधान की दंबगई के आगे स्थानीय पुलिस भी बेबस हो गई है। मामला थाना बल्दीराय की पुलिस चौकी वल्लीपुर के ग्राम केवटली का है गांव के निवासी विनोद सिंह पुत्र हनुमान प्रसाद सिंह की गांव स्थित गाटा संख्या 1182 पुस्तैनी जमीन है, ग्राम प्रधान राजेश चन्द्र द्वारा भू स्वामी को बगैर सूचना दिए ही पुस्तैनी जमीन पर ही खड़न्जा निर्माण करवाना शुरू कर दिया जब भूस्वामी खड़न्जा विछाने से मना किया तो प्रधान समेत गांव के नारेन्द्र सिंह राजेन्द्र सिंह अन्य लोग भद्दी भद्दी गालिया देते हुए भू स्वामी को मारने दौड़े और एक जुट होकर कहा कि खडन्जा इसी जमीन पर लगेगा ज्यादा बोलोगे तो जान से मरवा दूंगा ।

मानिकपुर विधायक ने बढ़ाया कौशाम्बी का गौरव

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश सरकार में कल कौशाम्बी निवासी हमेशा हर वर्ग की लड़ाई लड़ने वाले पाठा की धरती पर अपना तिरंगा फहराने वाले मानिकपुर के ब्राह्मणों के गौरव युवाओं की शान विधायक आदरणीय माननीय अविनाश चंद्र द्विवेदी जी को उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग और विकास नियोजन समिति में सदस्य बनाए जाने पर अलग–अलग जगह पर लोगों ने खुशियां मनाएं कहा कि आज जिस प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कौशांबी के लाल पर भरोसा जताया है उसे हम लोगों में हौसला अफजाई हुआ है इसके लिए हम उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय योगी जी को बहुत–बहुत बधाई देते हैं जिन्होंने कौशांबी के और चित्रकूट के हित को देखते हुए एक ईमानदार स्वच्छ और सरल स्वभाव के व्यक्ति को समिति में दर्जा दिया जब के विधायक जी हमेशा अपने सरल स्वभाव के चलते लोकप्रिय की मिसाल बनते जा रहे हैं हमेशा न्यायाधीश के लिए लड़ते रहे हैं कौशांबी जनपद में ही नहीं बुंदेलखंड के चित्रकूट में भी कौशांबी का नाम आगे ले जाने का कार्य करते रहे हैं पूरे संगठन को बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं। इस मौके अलग अलग जगह पर लोगों ने खुशियां मनाई जिसमें ऊनो, भरसवा, निखोदा, भदुरपुर, देवरा आदि, मनोज कुमार मिश्रा, सुनील कुमार गर्ग, आलोक तिवारी, कुलदीप शुक्ला, आकाश कुमार पाल, उमेश पाल, मोहित चतुर्वेदी, दीपक सिंह, एडवोकेट प्रभात दुबे, अंकित पांडे, सुनील तिवारी, सोनू तिवारी आदि लोगों ने बैठकर खुशियां मनाई एक दूसरों को बधाइयां दी।

भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी की शुरू हुई सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत रविवार को रविन्द्रनगर स्थित पार्टी कार्यालय पर सांसद विजय दूबे व सदर विधायक मनीष जायसवाल ने पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण के लिए सक्रिय सदस्यता फार्म भरा।

जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय एंव जिला सदस्यता प्रमुख लल्लन मिश्र के मौजूदगी में सदस्यता नवीनीकरण फार्म भरने के पश्चात सांसद विजय दूबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय सदस्यता का नवीनी करण करने पर हमें गर्व है। यह एक आंदोलन है जो जमीनी स्तर पर हमारी पार्टी को मजबूत करेगा और राष्ट्रीय प्रगति के लिए हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि कुशीनगर जनपद में अबतक लगभग चार लाख लोग भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनाएं जा चुके हैं।

यमुना नदी में नहाते समय युवक की डूबकर मौत

तिल्हापुर मोड़, कौशाम्बी। सराय अकिल कोतवाली क्षेत्र के नंदा का पुरवा गांव स्थित यमुना नदी में मंगलवार की सुबह स्नान करने के दौरान एक युवक गहरे पानी में डूब गया। साथियों के शोरगुल करने पर पहुंचे गोताखोरों ने उसे पानी से बाहर निकाला। आनन – फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सराय अकिल के पुरखास गांव का मजरा धवई निवासी श्यामबाबू त्रिपाठी क्षेत्र के यूसुफ पुर गांव में चाय समोसा की दुकान खोल रखी है। उसके तीन बेटों में सबसे छोटा 18 वर्षीय रितेश कुमार त्रिपाठी हैदराबाद में रहकर प्राइवेट नौकरी करता है। परिजनों के मुताबिक सप्ताह भर पहले वह गांव आया था। मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे वह गांव के साथी नितिन साहू और रिंकू तिवारी को साथ लेकर नंदा का पुरवा स्थित यमुना नदी घाट पहुंचे। इस बीच दोनों साथी शौच करने लगे। तभी रितेश यमुना में स्नान करने लगा। नहाने के दौरान ही वह गहरे पानी में डूबने लगा। जब तक साथी शोरगुल करते हुए घाट पर पहुंचे। वह पानी में समा गया। शोर सुनकर पहुंचे गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला। घटना की जानकारी होने के बाद परिजन बदहवास हालत में वहां पहुंचे।परिजन उसे सराय अकिल के एक प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर परिवार में कोहराम मच गया।

विज्ञान बच्चों में रुचि और ठोस ज्ञान को देता है बढ़ावा

बाराबंकी। उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान, गणित एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र बड़ेल परिसर में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अ. सुदन व विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मजिस्ट्रेट बाराबंकी केडी शर्मा ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। प्रतियोगिता में नगर क्षेत्र सहित समस्त विकासखंड से पांच पांच बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी अ.सुदन ने कहा कि विज्ञान बच्चों में रुचि और ठोस ज्ञान को बढ़ावा देने के साथ ही विद्यालय में कक्षा शिक्षण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का आवाह्न किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडे ने आए हुए सभी अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि आजकल विद्यालयों में करके सीखने पर जोर दिया जा रहा है और पहले भी यही विधि अपनाई जाती थी पहले की विज्ञान की पुस्तक का नाम ही श्विज्ञान और करके सीखें था। जनपद स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में विकासखंड बंकी की टीम विजयी रही और टीम में शामिल समस्त बच्चों को विज्ञान किट और बैग देकर सम्मानित किया गया। विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में विकासखंड दरियाबाद ने प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर विकासखंड बनीकोडर, तृतीय स्थान पर विकासखंड त्रिवेदीगंज, चतुर्थ स्थान पर विकासखंड हैदरगढ़ व पांचवें स्थान परविकासखंड रामनगर रहा। समस्त विजयी टीमों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक प्रशिक्षण विनीता मिश्रा द्वारा किया गया। मंच संचालन एआरपी बंकी सुभाषचन्द्र तिवारी के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी बंकी चंद्रशेखर यादव,खण्ड शिक्षा अधिकारी देवा राम नारायण ने बच्चों का मंच के माध्यम से उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारीगण क्रमशः हैदरगढ़ सुनील कुमार, बनीकोडर संजय राय, नगर क्षेत्र जैनेन्द्र कुमार, एसआरजी अवधेश पांडे, पदमजा त्रिपाठी एआरपी ललित मोहन सिंह, ऋषि कुमार वर्मा, अरुण कुमार वर्मा, अतुल कुमार, रोहित कुमार, नवीन मिश्रा, कमलेश कुमार, शिक्षक ऋषि टंडन लक्ष्मी सिंह, आशीष कुमार, दिनेश कुमार, संतोष कुमार त्रिवेदी, मनोज कुमार चौधरी, अरुण कुमार, सहित विभिन्न विद्यालयों का बच्चे एवं सभी विज्ञान गणित एआरपी भी उपस्थित रहे।

खनन करते ट्रैक्टर ट्राली सीज

मसौली बाराबंकी। शासन प्रशासन की आँखों मे धूल झोककर मिट्टी खनन करने वालो पर मसौली पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक पौकलेट पट्टा मशीन सहित पांच ट्रैक्टर एव चार ट्राली को कब्जे में लेकर सीज करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए खनन विभाग को रिपोर्ट भेजी गई है। शुक्रवार की भोर प्रभारी निरीक्षक यशकान्त सिंह को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि मसौली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत सआदतगंज चौकी के निकट भट्ठा के पीछे एक खेत में मिट्टी खनन ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से मिट्टी खनन किया जा रहा हैं प्रभारी निरीक्षक यशकांत सिंह ने पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे तो हड़कंप मच गया। ठेकेदार और मजदूर भाग निकले लेकिन पुलिस को पांच ट्रैक्टर चार ट्राली और एक पोकलेट मशीन मिट्टी भरने वाली की कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी यशकांत सिंह ने बताया कि टैक्टर, ट्राली और पौकलेट मशीन को थाने पर सीज कर दिया गया है। अग्रिम कार्रवाई के लिए खनन अधिकारी को रिपोर्ट भेजी गई है।

संक्षेप

चार महिलाओ ने खाया जहर, भर्ती

चित्रकूट। अलग–अलग स्थानों मे परिवारिक कलह के चलते पांच महिलाओ समेत एक किशोर ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जब परिजनों को जानकारी हुई तो सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया। जहां उपचार चल रहा है।बांदा जनपद के फतेगंज की रेखा देवी (27) पत्नी रामबहोरी, रैपुरा थाना क्षेत्र के बसिला गांव निवासी पुष्पराज (17) पुत्र दुर्गा प्रशाद, कोतवाली क्षेत्र के कुंजन पुरवा निवासी सुमित्रा (25) पत्नी शैलेन्द्र, बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के तख्तूपुर गांव की ज्योति सिंह (18) पुत्री अतर सिंह, पहाड़ी थाना क्षेत्र के भोला का पुरवा निवासी बंदना (17) पुत्री राजेश, व खजुरिहा गांव की पुष्पा देवी (35) पत्नी कौशल किशोर ने परिवारिक कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जब परिजनों को पता चला तो उन्हे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।

फांसी लगा खुदकुशी का प्रयास

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के भैसौधा गांव की नीतू (22) पत्नी सुनील ने सोमवार की शाम अज्ञात कारणों के चलते घर मे फांसी लगा कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जब परिजनों को जानकारी हुई तो उसे बेहोशी हालत मे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाये। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर प्रयागराज रेफर किया है।

खाद्य कारोबारियों की सुनी समस्याएं

चित्रकूट। डीएम के निर्देशों के कम में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एडीएम उमेशचन्द्र निगम की अध्यक्षता में जनपद के व्यापार मण्डल व खाद्य कारोबारियों के साथ बैठक किया। सहायक आयुक्त खाद्य प्रियका सिंह ने बताया कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जनपद में खाद्य पदार्थों की विशुद्ध बिकी, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कराने व खाद्य कारोबारियों, प्रतिनिधियों की समस्याओं आदि विभिन्न मुद्दो पर वार्ता की गयी। इस मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी, व्यापारी जनप्रतिनिधि ओम केशरवानी, शानू गुप्ता, राहुल गुप्ता, बृजेश त्रिपाठी, ओम प्रकाश साहू, गुलाब चन्द्र, प्रमोद जायसवाल, अरूण गुप्ता, विनय कुमार आदि मौजूद रहे।

साइकिल सवार की हादसे में मौत

सीतापुर। बिसवां कस्बे में रेलवे क्रांसिंग के निकट सीतापुर– बिसवां मार्ग पर एक बाइक और साइकिल की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक सवार मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम महुआपुर निवासी मोनू और शोभित गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बिसवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है । मृतक साइकिल सवार की पहचान कमलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम फत्तेपुर निवासी मोहम्मद रियाज उम्र 64 वर्ष के रूप में हुई है । पुलिस का कहना है कि मृतक के घर पर सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

टूटी पुलिया के कारण हुआ हादसा

पाली, हरदोईआरएनएस)। पाली थाना क्षेत्र में बेगराजपुर गांव के पास पुलिया टूटी होने के कारण शुक्रवार सुबह श्रृद्धालुओं से भरी एक ईको कार पलट गई, जिससे कार पर सवार तीन लोगों को चोटें आईं। कार सवार श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा पर फर्रुखाबाद के पांचाल घाट से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। बेगराजपुर गांव निवासी ग्रामीणों ने बताया कि बीते कुछ दिन पूर्व गर्रा नदी में आई बाढ़ से उनके गांव के सामने की पुलिया और किनारे की सड़क कट गई। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे एक ईको कार पर सवार श्रद्धालु फर्रुखाबाद के पांचाल घाट से गंगा स्नान कर लौट रहे थे, घने कोहरे के कारण उक्त टूटी पुलिया चालक को नहीं दिखाई दी और ईको कार टूटी पुलिया पर खाई में पलट गई। कार में आधा दर्जन से अधिक लोग सवार थे, जिनमें तीन लोगों को चोटें आईं। सूचना मिलने पर घायलों के परिजन ग्राम कोठिला से दूसरी गाड़ी लेकर मौके पर पहुंच गए थे, जो अपने साथ सभी को ले गए।

निलम्बित किए जाने की संस्तुति की

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शिकायतकर्ता आनन्द कमार पुत्र अजय कुमार निवासी ग्राम–महमूदपुर मनौरी परगना व तहसील–चायल के शिकायती प्रार्थना पत्र में चकबन्दी अधिकारी, चायल द्वारा विभिन्न वाद पत्रावलियों में अनियमतिता की शिकायत की जॉच अपर जिलाधिकारी(न्यायिक), कौशाम्बी से कराई गई। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), कौशाम्बी ने अपनी जॉच आख्या में उल्लेख किया है कि शिकायतकर्ता का कथन है कि उससे चकबन्दी अधिकारी द्वारा वाद के निस्तारण हेतु धनराशि की माँग की गई है। जॉच अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता को सुना गया। जाँच अधिकारी द्वारा जॉच में किसी प्रकार का लाभ शिकायकर्ता के प्रकरणध्वाद में प्राप्त करना परिलक्षित होना नहीं पाया गया। जाँच अधिकारी ने अन्य पत्रावलियों की जाँच में पाया कि अन्य वादों में प्रक्रियात्मक त्रुटिकारित की गई है जिसके लिये पेशकार एव पीठासीन अधिकारी के विरूद्व कार्यवाही किया जाना उचित है। चकबन्दी अधिकारी मिथिलेश कुमार सम्प्रति जनपद–मिर्जापुर व न्यायालय लिपिक धर्मेन्द्र सिंह सम्प्रति जनपद–प्रयागराज की अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), कौशाम्बी, की जॉच आख्या दिनांक 18.10.2024 के क्रम में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित कार्मिक को निलम्बित किये जाने की संस्तुति की है।

आरोग्य शिविर का हुआ आयोजन

सिराथू, कौशाम्बी। विकास खंड कड़ा के सिपाह गांव में पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जगदीश गुप्ता ने गो पूजन के साथ किया। प्रधान प्रतिनिधि जगदीश गुप्ता ने मौजूद पशुपालकों से पशुपालन की योजनाओं एवं शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आवाहन किया। शिविर में मौजूद पशु चिकित्सा अधिकारी कड़ा डा अनिल सिंह ने कहा कि पशुपालन को प्रोत्साहन देने के लिए शासन की ओर से पशुपालकों को हर सम्भव मदद दी जा रही है। शिविर में कुल 610 पशुओं की निरूशुल्क चिकित्सा, जांच, कृत्रिम गर्भाधान व दवाओं का वितरण किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी डा विवेक सिंह ने शिविर में पशुपालकों पशुओं की टैगिंग, वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान की उपयोगिता, एमएलएम द्वारा भेड़, बकरी, एवं सूकर पालन के संबंध में जानकारी दी गई। पशु चिकित्सा अधिकारी कड़ा डा दीप शिखा ने पशुओं को टीकाकरण के संबंध में जानकारी देते हुए रोगो से बचाव के लिए पेट में कीड़े की दवा के महत्व को बताते हुए पशु पालकों को पशुओं से संबंधित जरूरी जानकारी दिया। शिविर में पशु चिकित्सा अधिकारी डा अनिल सिंह , डॉ0 विवेक सिंह, डॉ0 दीपशिखा, संजय कुमार, अनिल साहू, मनीष कनौजिया, रोशन लाल, भीम, सुनील, निर्भय सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

15 बुनकरों को मिले पावरलूम

जैदपुर बाराबंकी। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री हैंडलूम व पावर लूम योजना के अंतर्गत जैदपुर कस्बे के 15 बुनकरों को पावरलूम शुक्रवार को एक कार्यक्रम में दिए गए। सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत मिले पावरलूम पाकर बुनकरों के चेहरे खुशी से खिल गए। जैदपुर कस्बे के मोहल्ला वसीनगर में स्थित अंसार हैंडलूम सोसाइटी द्वारा स्थनीय कस्बे के 15 बुनकरों को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री हैंडलूम व पावरलूम योजना के तहत निःशुल्क पावरलूम वितरण किए गए। योजना के तहत पावरलूम पाकर बुनकर मो शकील,नसरुद्दीन,मो अहमद, शहाबुद्दीन, मो शमीम, जुनैद आदि ने पावरलूम पाकर काफी खुश नजर आए। पावरलूम पाने वाले बुनकरों ने बताया कि सरकार ने कम से कम बुनकरों की भलाई के लिए सोचा है। इस अवसर पर अंसार सोसाइटी के अध्यक्ष जफर अंसारी ने बताया पहले चरण में 15 लोगों को कस्बे के बुनकरों को पावरलूम व टूल्स किट दिए गए हैं।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी इन्टर मीडिएट परीक्षा की मार्कशीट वास्तव में खो गयी है। अंक पत्रः 0539859, अनुकंमाकः 0820700, क्रमांकः 58671

शैलेन्द्र कुमार गुप्ता
माता का नामः भाग्यवती देवी
पिता का नामः अशोक कुमार गुप्ता
नेशनल इन्टर कालेज भरवारी, जनपद कौशाम्बी
पताः ग्राम व पो0 मूरतगंज, जनपद कौशाम्बी
212201, मो0: 8858001001

मंत्री नंदी से ठगी रकम से खरीदी क्रेप्टो करेंसी

रकम को सौ से अधिक खातों में किया गया था ट्रांसफर

प्रयागराज। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के कंपनी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से हुई दो करोड़ की ठगी के मामले में नया खुलासा हुआ है। जांच में जुटी पुलिस को पता चला है कि ट्रांसफर हुई रकम से यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी एक डिजिटल मुद्रा (क्रिप्टो करेंसी) की खरीददारी की गई है।

इसके अलावा यह भी अभी तक की जांच में सामने आया है कि 2.08 करोड़ रुपये को अलग–अलग 100 से अधिक बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया है। इन्हीं में से तीन खातों से क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई। इसको देखते हुए यह आशंका भी जताई जा रही है कि साइबर ठगों के विदेश में बैठे साथी भी पूरे मामले में शामिल हैं।

कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के बेटे अभिषेक गुप्ता मंत्री की कंपनी इकावो एग्रो डेली प्राइवेट लिमिटेड में डायरेक्टर हैं। साइबर ठगों ने एक वाट्सअप एकाउंट में अभिषेक की फोटो लगाकर उससे ही अकाउंटेंट रीतेश को मैसेज भेजकर 13 नवंबर को 2.08 करोड़ रुपये मांगे थे।

मामले की जांच के लिए साइबर सेल की तीन टीमों के साथ ही स्पेशल टीम भी लगी है। जांच के दौरान टीमों को पता चला कि ठगी की राशि को पहले तीन खातों में ट्रांसफर किया गया।

इसमें गैलेक्सी इलेक्ट्रानिक्स के एक्सिस बैंक एकाउंट में 68 लाख, आर ग्लोबलाइजेशन ट्रेडिंग ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड के खाते में 75 लाख और लीडर आयल कारपोरेशन लिमिटेड के खाते में 65 लाख रुपय साइबर अपराधियों ने मंगवाए। इसके बाद इन रुपये को 100 से अधिक खातों में भेज दिए गए।

मंत्री के साथ हुई साइबर ठगी के मामले की जांच में जुटी तीन टीमों को अलग–अलग राज्यों में भेजा गया है। मामले में डीसीपी अभिषेक भारतीय ने बताया कि जांच में टीमें लगी हैं। कई महत्वपूर्ण तथ्य भी हाथ लगे हैं। टीमों ने भी उन सभी खाताधारकों की सूची तैयार की है।

जिनके खाते में ठगी के रुपये जमा हुए हैं। हालांकि यह भी आशंका जताई जा रही है कि इन खाता धारकों के पते फर्जी हो सकते हैं। सभी खातों के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है।

बीजेपी विधायक के 50 हजार रुपये चोरी कर भागा ड्राइवर

चालक के दोनों मोबाइल बंद, मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज की करछना सीट से विधायक पीयूष रंजन निषाद का ड्राइवर ही उनके 50 हजार रुपये लेकर भाग गया। विधायक ने शहर के सिविल लाइंस थाने में अपने वाहन चालक के खिलाफ 50 हजार रुपये की चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस केस दर्ज कर ड्राइवर की तलाश रही है।

करछना से भाजपा विधायक पीयूष रंजन निषाद का सिविल लाइंस स्थित कानपुर रोड पर आवास है। उन्होंने सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी है कि उनके आवास पर कार्यरत ड्राइवर कमल प्रजापति निवासी लालापुर काम करता था। कार में 50 हजार रुपये रखे थे। ड्राइवर की नीयत खराब हुई और वह रुपये चोरी कर निकल भागा।

अब ड्राइवर के दोनों मोबाइल बंद हैं। तहरीर पर सिविल लाइंस पुलिस केस दर्ज कर कमल प्रजापति की तलाश शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर सिविल लाइंस रामाश्रय यादव का कहना है कि ड्राइवर कार लेकर नहीं भागा। बस रुपये चोरी कर ले गया है। उसे तलाश किया जा रहा है।

प्रयागराज के चौक में बंदरों ने कई लोगों को दौड़ाया

बाजार में पहुंचा बंदरों का झुंड, दुकानों में घुसकर किया नुकसान

प्रयागराज। प्रयागराज में एकाएक बंदरों की संख्या बढ़ गई है। खासकर चौक बाजार में बंदरों का झुंड रविवार को अचानक से पहुंच गया। भीड़ वाले बाजार में बंदरों का झुंड पहुंचने से दुकानदार और ग्राहक परेशान हो गए।

बंदरों ने कई महिलाओं को दौड़ाकर काटने की कोशिश की। फुटपाथ पर लगी दुकानों से सामान खींच ले गए। बंदर कई दुकानों में भी घुस गए। कपड़ों की दुकान में घुसकर नुकसान किया, कपड़ों को काट दिया। शीशे के बर्तन तोड़ दिए। कई बंदर बिजली के तारों पर झूले जिससे तार टूट गए। चौक बाजार के अलावा जानसेनगंज में भी कई दिनों से बंदरों का आतंक बढ़ा है। सिविल लाइस में बीएसएनएल आफिस कंपाउंड में ही दर्जनों की संख्या में बंदर आतंक फैलाए हैं। अब वह थाने के बाहर लगी दुकानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सिविल लाइंस थाने के सामने जमा फरियादियों में कई काट भी लिया।

यूपी में कोई वैकेंसी नहीं, नौकरी की उम्मीद टूटी, एमपी में टीईटी एग्जाम देने पहुंचे अभ्यर्थी बोले- अपने यहां मौका मिलता तो यहां ना आते

प्रयागराज। प्रयागराज के सलिल कुमार ने ये बातें कहीं। वह मध्य प्रदेश के सतना में प्राइमरी टीचर के लिए TET (संयुक्त पात्रता परीक्षा) का एग्जाम देने पहुंचे थे। वह यूपी के अकेले ऐसे अभ्यर्थी नहीं थे। यूपी के अलग–अलग जिलों के हजारों अभ्यर्थियों ने एमपी में एग्जाम दिया।

सलिल कुमार बताते हैं– Msc और BEd करने के बाद UPTET क्वालिफाई किया और अब 4 बार CTET पास कर चुका हूं। लेकिन, यूपी में कोई वैकेंसी नहीं है।

मध्य प्रदेश में MPTET एग्जाम 10 नवंबर से शुरू हुआ। यह 30 नवंबर तक चलेगा। करीब 15 लाख अभ्यर्थी एग्जाम देने मध्य प्रदेश पहुंचेंगे। यूपी के लगभग 50 से ज्यादा जिलों से अभ्यर्थी पहुंच रहे हैं।

कितना प्रदर्शन और धरना दिया, लेकिन वैकेंसी नहीं निकली

ट्रेन और बस से मध्य प्रदेश पहुंच रहे अभ्यर्थियों को स्टेशन पर रात गुजार रहे हैं। सतना में एग्जाम सेंटर के बाहर खड़े सलिल ने कहा– यूपी में बेरोजगारी का ग्राफ बढ़ गया है। कोरोना काल में भी एग्जाम नहीं हुए। कई अभ्यर्थी ओवर एज हो गए। इसके बाद जब हालात सामान्य हुए, तब सरकार ने लापरवाही की।

वैकेंसी नहीं निकाली, जबकि लगभग हर विभाग में पद रिक्त हैं। हम लोग बेरोजगार बैठे हैं। इसलिए यहां आना पड़ा। यूपी में कितना प्रदर्शन हो रहा है। आयोग गठन हुआ, उसके बाद भी कुछ नहीं हो रहा है।

सलिल ने कहा– कोई भी नौकरी–रोजगार की बात नहीं करता। ऐसे में हम लोगों को एमपी और बिहार जाकर ही देखना पड़ेगा। नौकरी ना मिलने के कारण युवा डिप्रेशन में जा रहा है। सरकार को ध्यान रखना चाहिए। युवाओं को रोजगार दें।

फतेहपुर से एग्जाम देने के लिए मध्य प्रदेश पहुंचीं मनीषा ने कहा– मैंने यूपी टेट और सीटेट तो क्लीयर कर लिया है। लेकिन, यूपी में कोई वैकेंसी नहीं आई। ऐसे में मध्य प्रदेश में MPTET का एग्जाम देने आई हूं। सीटेट और टेट भी क्लियर है। 2023 में क्लियर हुआ था। टेट 2019 में क्लियर किया।

मनीषा कहती हैं– सभी एग्जाम पास करने के बाद हमारे पास सिर्फ डिग्रियां ही हैं। इन्हें रख तो नहीं सकते। इसलिए जहां मौका मिलता है, दौड़ पड़ते हैं। हमारे संघर्ष पर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

इसी तरह यूपी के चित्रकूट के रहने वाले अमन पटेल भी डच्च्ज्ज का एग्जाम देने मध्य प्रदेश आए थे। वह कहते हैं सरकार को युवाओं के भविष्य के बारे में भी सोचना चाहिए। यूपी में नौकरी नहीं है। इसलिए लोग बाहर की ओर रुख कर रहे हैं।

यहां यूपी से कई छात्र–छात्राएं आए हुए हैं। कई तो ऐसे हैं जो क्वालीफाई हैं, फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिल पा रही। हमने दिया था, मगर हम क्वालीफाई नहीं हो पाए। शायद यहां क्वालीफाई हो जाए और नौकरी मिल जाए।

कन्हैया लाल प्रयागराज के रहने वाले हैं। वह पत्नी को डच्च्ज्ज दिलाने के लिए सतना पहुंचे थे। कहते हैं, यूपी में नौकरी के लिए प्रतियोगी छात्रों को धरना प्रदर्शन करना पड़ा रहा है। लोक सेवा आयोग, उप्र के बाहर 4 दिनों अभ्यर्थी एग्जाम एक शिफ्ट में एक दिन में कराने की मांग करते रहे। ऐसे में नौकरी की क्या उम्मीद की जाए। यहां आएं हैं, शायद यहीं कुछ हो जाए।

अंबेडकरनगर की रहने वालीं आकांक्षा और महिमा भी यह एग्जाम देने के लिए सतना पहुंची थीं। दोनों ने बताया कि वह पहले प्रयागराज गईं। फिर वहां से ट्रेन से सतना स्टेशन पहुंची। यहां रात भर स्टेशन के बाहर रुकी। दोपहर वाली पाली में एग्जाम था, सुबह ही सेंटर पर पहुंच गई, फिर सेंटर के बाहर घंटों तक इंतजार किया। कहती हैं– आगर यूपी में मुझे नौकरी मिलती, तो मुझे यहां आने की जरूरत ही क्या थी?

छात्रों को भड़काने वाले चार टेलीग्राम चैनलों पर एफआईआर

प्रयागराज में लोक सेवा आयोग गेट पर आंदोलन का मामला

प्रयागराज। लोकसेवा आयोग गेट के सामने चार दिनों तक चले छात्रों के आंदोलन के दौरान भड़काने, हंगामा करने वालों के खिलाफ पुलिस का एक्शन जारी है। पीसीएस और आरओ्एआरओ की परीक्षा एक दिन में कराने की मांग को लेकर प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के दौरान भ्रामक सूचनाएं फैलाकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को उकसाने की कोशिश की गई थी।

इस मामले में सोशल मीडिया प्लेटफार्म टेलीग्राम के माध्यम से भकड़ाऊ मैसेज, पोस्ट, वीडियो, फोटो समेत ऐसी सूचनाएं प्रसारित करने वाले चार चौनलों पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज हुआ है।

सिविल लाइंस थाने में उपनिरीक्षक कृष्ण मुरारी चौरसिया ने तहरीर दी है कि 11 नवंबर से प्रतियोगी छात्र एक दिन में आरओ्एआरओ की परीक्षा को कराने के लिए उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के सामने धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

टेलीग्राम चैनलों की जांच शुरू, होगी कार्रवाई

उन्हें उग्र व हिंसक बनाने के लिए सोशल मीडिया साइट टेलीग्राम के विभिन्न चौनलों पीसीएम अभ्यास, सामान्य अध्ययन एजुशाला 3.मेक आईएएस (ऑफिसियलस) और पीसीएम मंथन से भ्रामक सूचनाएं अपलोड कर प्रचारित और प्रसारित की जा रही हैं।

जिससे कि झूठीध्भ्रामक सूचनाओं से प्रदर्शनकारी प्रतियोगी छात्र हिंसक हो सकें और कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सके। इन टेलीग्राम चौनलों से भ्रामक सूचनाएं प्रचारित व प्रसारित की जा रही हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रयागराज में युवक ने आम के पेड़ पर लगाई फांसी

में खाना खाकर घर से गया और दे दी जान, मार्च में होनी थी शादी

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के उतराव क्षेत्र के चिखड़ी गांव में एक युवक ने फांसी के फंदे पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। चिखड़ी थाना उतराव निवासी रतन भारती पुत्र स्वर्गीय बृजलाल उम्र 26 वर्ष जो जहाज की ट्रेनिंग कर घर पर रहता था। वहीं बीती रात में खाना खाकर घर पर ही था। रात में ही घर से 300 मीटर दूरी पर बाग में जाकर आम के पेड़ की डाल में फंदा बनाकर फांसी पर लटक गया और उसकी मौत हो गई। सुबह जब शौच के लिए गए ग्रामीणों ने देखा तो कोहराम मच गया। शोरगुल सुन भारी मात्रा में ग्रामीण इकट्ठा हुए। वहीं सूचना पर मौके पर उतराव पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक युवक चार भाइयों में सबसे छोटा था। जिसकी मार्च में शादी भी पड़ी हुई थी। युवक की मौत से माता तुलसी देवी समेत परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। वहीं युवक किस कारण फांसी लगाया इसका पता नहीं चल सका।

संगम की स्वच्छता की पहरेदारी कर रहे 500 'गंगा प्रहरी'

प्रयागराज में महाकुंभ के पहले गंगा-यमुना की स्वच्छ बनाए रखने को दिन रात चल रहा काम

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना का संगम सिर्फ दो नदियों का नहीं बल्कि सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का भी संगम है। हर साल देश और विदेश से आने वाले लाखों करोड़ों लोग यहां के स्वच्छ और निर्मल जल में आस्था की डुबकी लगाकर सनातन परंपरा का निर्वहन करते हैं।

तीर्थों के तीर्थ संगम के प्रति लोगों की यह आस्था यूं ही बनी रहे, इसके लिए 500 गंगा प्रहरी दिन रात दोनों नदियों की स्वच्छता और निर्मलता को बनाए रखने में जुटे हुए हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान जब करोड़ों लोग संगम में पवित्र स्नान करेंगे तब भी यही गंगा प्रहरी नदियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए पहरेदार बनकर खड़े रहेंगे। योगी सरकार इन्हें ट्रेनिंग के साथ ही रोजगार से जोड़कर प्रोत्साहित कर रही है।

25 घाटों पर शिफ्टवाइज करेंगे काम

प्रयागराज में छोटे बड़े करीब 25 घाट हैं। महाकुंभ के दौरान इन सभी घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ने वाला है। ऐसे में घाटों के साथ साथ गंगा और यमुना नदी की स्वच्छता को बनाए रखना एक चुनौती होगी। हालांकि, प्रत्येक घाट पर तैनात गंगा प्रहरी इसको लेकर आश्वस्त हैं। वह निरंतर नदियों और घाटों की सफाई में जुट हुए हैं और साथ ही श्रद्धालुओं को भी नदियों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

प्रत्येक घाट पर 15 से 20 गंगा प्रहरी गंगा और यमुना दोनों ही नदियों की स्वच्छता को बरकरार रखने के लिए दिन रात काम कर रहे हैं। महाकुंभ के दौरान यह शिफ्ट में काम करेंगे। वहीं, पूरे देश से चुनिंदा 200 से अधिक गंगा प्रहरी यहां बुलाए जा रहे हैं, ताकि गंगा और यमुना की स्वच्छता बनाए रखने में जनशक्ति की कमी न हो।

जलीय जीवों का हो रहा संरक्षण

वन्य जीव संस्थान के माध्यम से ये गंगा प्रहरी लगातार नदियों और घाटों की स्वच्छता के साथ साथ जलीय जीवों के संरक्षण में जुटे हुए हैं। जलज योजना में असिस्टेंट कॉर्डिनेटर की भूमिका निभा रहे चंद्रा कुमार निषाद के अनुसार, गंगा और यमुना नदियों में लाखों लोग डुबकी लगाते हैं, लेकिन यदि जल स्वच्छ न हो तो उनकी आस्था को ठेस पहुंचती है। हमारी टीम दिन रात घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाती है।

घाट के साथ साथ नदी में जो अपशिष्ट पदार्थ होते हैं उन्हें भी जाल के माध्यम से निकालकर नदी को स्वच्छ रखने का प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त हम श्रद्धालुओं को भी जागरूक करते हैं कि वो घाट और नदी दोनों ही जगह स्वच्छता का ध्यान रखें। इसमें कूड़ा या फूल माला न फेंके। इसके बावजूद जो लोग फूल या अन्य गंदगी फेंकते हैं तो हम तुरान जाल और अन्य इक्विपमेंट से उठा लेते हैं।

स्थानीय लोगों को बनाया नदियों का रक्षक

नदियों की सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों को दे दी गई है। जिन लोगों की आय का प्रमुख स्रोत जलीय जीवों का शिकार था, वही अब उनके रक्षक बन गए हैं। इसकी वजह से नदी में कछुओं, डॉल्फिन्स, मछलियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यदि जलीय जीवों को बचा लिया जाए तो नदी कभी गंदी नहीं होगी, क्योंकि ये जीव नदी को साफ करने का कार्य करते हैं।

वाराणसी की तर्ज पर घाटों का हो रहा सौदर्यीकरण

प्रयागराज में पहली बार संगम नोज पर बन रहा पक्का घाट

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में पहली बार संगम नोज के पास पक्का घाट बनाया जा रहा है। जो महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को संगम नोज पर स्नान करने में मददगार होगा। इसके अलावा शहर के कई अन्य घाटों का भी सौदर्यीकरण किया जा रहा है। महाकुंभ के पहले शहर के सात प्रमुख घाटों का कायाकल्प किया जा रहा है। जिससे यहां आने वाले लोगों को अलग अनुभव मिल सके। यह सभी कार्य दिसंबर तक पूरा किया जाना है।

संगम नोज पर बन रहे घाट के साथ ही पहले से मौजूद घाटों में दशाश्वमेध घाट, अरैल घाट, रसूलाबाद घाट, महेवा घाट समेत कुल सात घाटों का सौदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। पर्यटन विभाग की तरफ से हो रहे कार्यों के लिए शासन की तरफ से विशेष रूप से 11 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है। दारागंज स्थित दशाश्वमेध घाट को भी नया रूप दिया जा रहा है। जो संगम नगरी आने वाले लोगों को बेहतर ढंग से मदद करेगा। इसके लिए लगातार कार्य को समय से पूरा करने में लोग जुटे हुए हैं।

संगम नोज पर तैयार किए जा रहे घाट के साथ ही दशाश्वमेध घाट आदि पर गुंबद समेत अन्य चीजों का निर्माण कार्य चल रहा है। जो इन घाटों की अलग ही शोभा को दर्शाएंगे। इसके अलावा यहां पर लाल पत्थर से सीढ़ीयों का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। जिससे घाट पर पहुंचकर स्नान आदि करने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो सके। इस बार में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि घाटों के निर्माण कार्य को समय से पूरा कराने के लिए शासन की तरफ से कड़े निर्देश दिए गए हैं। जिससे इनके निर्माण में किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो सके।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062